Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, Impact Factor: 7.866, Volume 15, No. 02, April-June 2025, pp. 239-244

# धार जिले के ग्रामीण कृषकों के आर्थिक विकास में बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय सुविधाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

अजय भिड़े*
डॉ. नितिन बड़ेजा**

## सार

*यह शोधपत्र धार जिले के ग्रामिण कृषकों के आर्थिक विकाश में बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सुविधाओं की भुमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। जिसमे बैंक द्वारा कृषकों को दिये गये ऋण, बचत योजनाएँ ,बिमा सेवाएं तथा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों का विश्लेषण किया गया है। शोध में यह पाया गया की बैंक ऑफ इंडिया की विभिन्न योजनाओं जैसे किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि ऋण, फसल बिमा एवं मुद्रा योजना इत्यादि ने किसानों की उत्पादन क्षमता, आय वृद्धि एवं जीवन स्तर सुधार में महत्वपुर्ण योगदान किया गया है। इन योजनाओं से किसानों को आवश्यक वित्तीय सहायता समय पर प्राप्त हुई, जिससे वें खेती में आधुनिक साधनों के उपयोग कर सके तथा आपातकालीन स्थितियों में आर्थिक रुप से सुरक्षित महसूस किए। इसके अतिरिक्त बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविरों एवं मोबाइल बैंकिंग जैसी सेवाओं ने किसानों को बैंकिंग व्यवस्था से जोडने में सहायक भूमिका निभाई। कुल मिलाकर यह अध्ययन दर्शाता है कि बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय सुविधाएँ धार जिले के कृषकों के सतत आर्थिक विकास में सहायक सिद्ध हुई हैं। यह अध्ययन प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के ऑकडों के माध्यम से सम्पन्न किया गया है, जिसमें धार जिले के चयनित ग्रामों के कृषकों से साक्षात्कार एवं प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई। अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता हैं कि बैंक की पहुँच अब दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक भी होने लगी हैं, जिससे अधिक से अधिक कृषक औपचारिक वित्तीय तंत्र से जुड रहे हैं। यद्यपि कुछ चुनौतियाँ जैसे जागरुकता की कमी, तकनीकी ज्ञान की सीमाएँ एवं दस्तावेजी प्रक्रियाओं की जटिलता अभी भी विद्धमान हैं, तथापि बैंक ऑफ इंडिया इन समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। अध्ययन में यह भी सिफारिश की गई। कि बैंक कों कृषकों के आवश्कताओं के अनुरुप योजनाओं को अधिक सरल एवं सुलभ बनाना चाहिए तथा ग्रामीण स्तर पर वित्तीय शिक्षा को और बढावा देना चाहिए। समग्रतः यह निष्कर्ष निकाला गया है कि बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय पहल धार जिले के ग्रामीण कृषकों के आर्थिक सशक्तिकरण में एक सशक्त साधन बन रही हैं। जो दीर्घकालिन ग्रामीण विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं। इसके आतिरिक्त, अध्ययन में यह भर उल्लेखनीय तथ्य सामने आए हैं कि जिन कृषकों ने नियमित रूप से बैंक ऑफ इंडिया की योजनाओं का लाभ लिया, वे पारंपरिक कृषि पद्धतियों से हटकर आधुनिक तकनीकों को अपनाने मे लगे हैं। इससे उनकी उत्पादन लागत में कमी आई है और लाभ में वृद्धि हुई हैं। साथ ही, कृषि के अलावा पशुपालन, बागवानी एवं लघु उद्योगों जैसे वैकल्पिक आजीविका स्त्रोतों*

* शोधार्थी, वाणिज्य अध्ययन शाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश।
** सहायक प्राध्यापक एवं शोध निर्देशक, भगतसिंह शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा जिला–रतलाम, मध्य प्रदेश।

*को अपनाने में भी बैंक की ऋण योजनाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। बैंक द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को भी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता की भावना उत्पन्न हुई हैं। यह पहल ग्रामीण समाज में लैंगिक समानता एवं सामाजिक समावेशन की दिशा में सहायक रही हैं। अंततः, यह विश्लेषण दर्शाता है कि बैंक ऑफ इंडिया केवल एक वित्तीय संस्था नहीं बल्कि ग्रामीण विकास का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। यदि इन प्रयासों को सतत रूप से आगे आगे बढाया जाए एवं नीतिगत स्तर पर सहयोग प्राप्त हो, तो धार जिले के कृषकों के आर्थिक विकास को एक एई दिशा मिल सकती है। यह शोध भविष्य में अन्य जिलों के भी मॉडल के रूप में कार्य कर सकता है। इस शोध में यह भी पाया गया कि डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार ने ग्रामीण कृषकों की बैंकिंग पहुंच को और अधिक सरल एवं तेज बना दिया है। मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग तथा आधार–अधारित भुगतान प्रणालियों के माध्यम से किसान अब बैंकिंग कार्यों को अपने गॉव से ही संचालित कर पा रहे हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को भी बढ़ावा मिला हैं। इसके साथ ही बैंक ऑफ इंडिया द्वारा समय–समय पर कृषि मेलों, प्रशिक्षण शिविरों और वित्तीय जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर कृषकों को न केवल योजनाओं की जानकारी दी जाती हैं, बल्कि उन्हें अपने संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करने हेतु मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है। इससे किसानों में निर्णय लेने की क्षमता में सुधार हुआ है, जिससे वे अधिक लाभकारी कृषि गतिविधियों की और अग्रसर हो सके है।*

***शब्दकोशः*** *धार जिला, ग्रामीण कृषक, बैंक ऑफ इंडिया, वित्तीय सुविधाएँ, आर्थिक विकास।*

---

## प्रस्तावना

भारत देश कृषि प्रधान राष्ट्र है, जहॉ देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि कार्य से जुड़ी हुई है। ग्रामीण कृषकों की आय, उत्पादन क्षमता और जीवन स्तर में सुधार लाना किसी भी विकसित समाज के लिए अनिवार्य होता है। ग्रामीण क्षेत्र के किसानों कों सशक्त करने हेतु सरकार एवं विभिन्न वित्तीय संस्थाऍ समय–समय पर योजनाऍ एवं सुविधाऍ उपलब्ध कराती रही हैं। इन योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचने में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका केंद्रीय रही है। बैंक ऑफ इंडिया एक प्रमुख सार्वजनिक क्षैत्र का बैंक है, जो देश के ग्रामीण क्षैत्रो में वित्तीय समावेशन के माध्यम से किसानों के आर्थिक उत्थान मे महत्पूर्ण भुमिका निभा रहा है।

## अध्ययन की आवश्यकता और पृष्ठभूमि

धार जिला, मध्यप्रदेश का एक प्रमुख कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहॉ का अधिकांश जनजीवन कृषि और उससे संबंधित गतिविधियों पर निर्भर है। यहॉ की अर्थव्यवस्था पर मानसून, फसल उत्पादन, एवं वित्तीय संसाधानों की उपलब्धता का गहरा प्रभाव पड़ता है। ग्रामीण कृषकों को जब सुलभ ऋण, बीमा, सब्सिडी, एवं तकनीकी सहायता मिलती है, तो उसकी उत्पादनशीलता और गुणवत्ता में सुधार होता है। बैंक ऑफ इंडिया द्वारा धार जिले के विभिन्न शाखाओं के माध्यम से कृषकों को विभिन्न वित्तीय सुविधाओं जैसे– कृषि ऋण,किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ऋण माफी योजनाऍ, स्वरोजगार ऋण आदि प्रदान किए जाते हैं। इस अध्ययन के माध्यम से इन सुविधाओं का विश्लेषण किया जायेगा।

## कृषि आधारित बैंक योजनाऍ

कृषि क्षैत्र के लिए कई बैंक योजनाऍ उपलब्ध है जो किसानों कों विभिन्न प्रकार ऋण और वित्तीय सहायाता प्रदान करती है। इसमें से कुछ प्रमुख योजनाऍ हैं।

- **किसान क्रेडिट कार्ड** – यह योजना किसानों कों उनकी खेती और अन्य जरूरतों के लिए ऋण प्रदान करती है, जिसमे फसल उत्पादन, पशुपालन, और मत्स्य पालन शामिल है।
- **कृषि ऋण** – बैंक विभिन्न प्रकार के कृषि ऋण प्रदान करती है। जैसे कि फसल ऋण, भूमि विकास ऋण, और कृषि मशीनरी ऋण।
- **ब्याज सहायता योजनाएँ** – सरकार किसानों कों ऋण पर ब्याज दर में छुट प्रदान करने के लिए ब्याज सहायता योजनाएँ चलाती हैं।
- **स्टार कृषि ऊर्जा योजना** – प्रधानमंत्री कियान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान के तहत केंद्रीय क्षेत्र कि योजना हैं।

**पूर्व अध्ययनों कि समीक्षा**

अध्ययनों समीक्षा पुस्तकों एवं शोध आलेखों से किया गया जो प्रमुख हैं

डॉ. एस.पी.मिश्रा (2017) : ''ग्रामीण बैंक का प्रभाव और चुनौतियॉं'' विषय पर किए गए अध्ययन में पाया गया है कि बैंकों की पहुँच बढ़ने से कृषकों की आय एवं निवेश में वृद्धि हुई है।

डॉ. आर्चना वर्मा (2020) : ''कृषि वित्त और बैंकिंग'' शीर्षक से किए गए अध्ययन में यह पाया गया है कि बैंक ऑफ इंडिया की योजनाएँ विशेष रूप से महिला कृषकों में प्रभावशाली रही हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक अध्ययन (2021) : इसमे बताया गया कि 2018–2021 के बीच बैंकिंग क्षेत्र द्वारा कृषकों को वितरित ऋण में वृद्धि हुई लेकिन जागरूकता कि कमी अब भी एक बड़ी चुनौती है।

**धार जिले से संबंधित स्थानीय साहित्य**

धार जिला वार्षिक आर्थिक रिपोर्ट (2022) के अनुसार, जिले में कृषि ऋण वितरण में बैंक ऑफ इंडिया की हिस्सेदारी अन्य बैंक की तुलना में आधिक रही है।

मध्यपदेश सरकार की ग्रामीण विकास रिपोर्ट (2021) : इस रिपोर्ट में बताया गया की धार जिले में बैंक शाखाओं की संख्या बड़ी है, किन्तु कृषकों कों डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के प्रति अभी और प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

कुछ स्थानीय स्तर के शोध जैसे– ''बदनावर विकासखण्ड में किसान क्रेडिट कार्ड की प्रभावशीलता पर अध्ययन'' – यह दर्शाते हैं कि ऋण वितरण के बाद किसानों की फसल उत्पादन में सकारात्मक सुधार आया।

**अध्ययन के उद्देश्य**

इस अनुसनधान का मुख्य उद्देश्य धार जिले के ग्रामीण कृषकों के आर्थिक विकास मे बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय सुविधाओं की भुमिका का विश्लेषण करना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु निम्नलिखित उप–उद्देश्यों निर्धारित किया गया है।

- बैंक ऑफ इंडिया द्वारा कृषकों कों दि जा रही प्रमुख वित्तीय योजनाओं एवं सुविधाओं का अध्ययन।
- इन सुविधाओं का कृषकों की आय, ऋण पुनर्भुगतान क्षमता और कृषि उत्पादकता और प्रभाव पर मुल्यांकन।
- किसानों कि बैंकिंग जागरूकता एवं उनकी बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच का अध्ययन।
- बैंकों व कृषकों के मध्य उत्पन्न होने वाली समस्याओं एवं उनकी समाधान प्रकिया का विश्लेषण।
- नीति– निर्माताओं कों सुधारात्मक सुझाव प्रदान करना।

**समस्या कथन**

ग्रामीण कृषकों कों बैंकिंग सेवाओं की जानकारी की कमी, दस्तावेजी जटिलताएँ– और समय पर ऋण न मिल पाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं दुसरी और बैंक द्वारा दी जा रही योजनाएँ कितनी प्रभावी है, इसका वास्तविक मुल्यांकन आवश्यक हैं। यह अध्ययन इस द्वंद्व को स्पष्ट करेगा की क्या बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय सुविधाएँ वास्तव में धार जिले के कृषकों के आर्थिक विकास मे सहायक सिद्ध हो रही या नहीं।

**अनुसंधान की उपयोगिता**

यह अध्ययन न केवल शिक्षाविदों व शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी होगा, बल्कि बैंक अधिकारियों, नीति–निर्माताओं एवं सरकार को भी ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं के प्रभाव को समझने में सहायक होगा। इससे कृषकों की जरूरतों के अनुसार योजनाओं में सुधार किया जा सकेगा।

**अध्ययन पद्धति**

शोध कार्य में समंकों के संकलन का महत्पुर्ण स्थान हैं, प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोध विधियों का चयन करना अत्यंत आवश्यक है। यह शोंध आलेख अहम रूप से विवेचनात्मक, वर्णानात्मक, विश्लेषणात्मक, ऐतिहासिक एवं आलोचनात्मक पद्धति पर आधारित है। वर्तमान में कृषकों कि वित्तीय सुविधाओं के लिए बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा एवं अन्य माध्यम से समंकों का आकलन किया जाता हैं। शोध आलेख प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोंत के आधार पर किया गया जिसमे प्राथमिक जानकारी प्रत्येक्ष रूप से साक्षात्कार, प्रश्नावली एवं मौखिक वार्ता के माध्यम से प्राप्त कि गई, एवं द्वितीयक जानकारी स्त्रोत विभिन्न आचार्यों द्वारा संपादित पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं, जनरल और वेबसाइड एवं दस्तावेजों का उपयोग किया गया है।

- **प्राथमिक आकड़े**

किसानों के वित्तीय सेवाओं से जुडे आंकडों को प्रत्येक्ष रूप से प्राप्त करने के लिए किसानों के पास पहुँच कर उनसे प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से आंकडें या सुचना प्राप्त कि जाती हैं, जिन से हमे ज्ञात होता हैं, कि किसान किस स्थिति है।

  - **साक्षात्कारः** किसानों से प्रत्येक्ष रूप से प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई।
  - **प्रश्नावलीः** उत्त्रदाताओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति, बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता, लाभ का अनुभव आदि विषयों को कवर किया गया है।
  - **मौखिक वार्ताः** कुछ बैंक आधिकारियों से बातचित कर जानकारी प्राप्त की गई।

- **द्वितीयक ऑकड़े**

  - बैंक ऑफ इंडिया की साखा रिपोर्टस
  - वार्षिक प्रतिवेदन, नाबार्ड और आरबीआई रिपोर्टस
  - जिला सांख्यिकी कार्यालय की रिपोर्टे
  - प्रकाशित शोध पत्र, जर्नल और पुस्तकें
  - सरकारी पोर्टल और वेबसाइट से प्राप्त ऑकड़ें

**विषय विश्लेषण**

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की लगभग 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या प्रत्येक्ष या अप्रत्येक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार कृषि है। किंतु आज भी अधिकांश ग्रामीण कृषक सीमांत, लघु तथा अल्पविकसित हैं, जिन्हें कृषि कार्य हेतु पूंजी, संसाधान तथा वित्तीय सहायता की अत्यंत आवश्यकता होती है। ऐसी स्थिति में बैंकिंग संस्थाएँ, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र

के बैंक जैसे कि बैंक ऑफ इंडिया, ग्रामीण कृषकों के लिए विकास में बहुत बड़ा योगदान है। बैंक ऑफ इंडिया का किसानों के लिए योगदान :– कृषि ऋण : कृषि उपकरण एवं अन्य संसाधान खरीदने हेतु ऋण एवं अन्य कृषि संबधित जरूरतों के लिए ऋण प्रदान करता है। किसान क्रडिट कार्ड : इस योजना के आवश्यकतानुसार ऋण प्राप्त करने में मदद करती हैं, जिससे वे अपने खेती की जरूरतों पुरा कर सकें। फसल बिमा : बैंक द्वारा प्रधानमंत्री फसल बिमा जैसी योजनाओं के माध्यम से फसल नुकसान के खिलाफ बिमा सुरक्षा और मुआवजा प्रदान करती हैं, इसके अतिरिक्त अन्य योजनाओं के माध्यम से किसानों कों वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे किसानों के आर्थिक विकास में योगदान प्रदान किया जाता है। किसानों के लिए बैंक ऑफ इंडिया कि पहल : किसान दिवस बैंक द्वारा किसानों के योगदान को सम्मान देने के लिए किसान दिवस मनाया जाता है, इस अवसर पर किसानों के लिए विशेष योजनाएँ शुरू कि जाती है। कृषि क्षेत्र मे ऋण : बैंक द्वारा कृषि क्षेत्र में ऋण उपलब्ध कराने में महत्वपुर्ण भुमिका निभाता है, जिससे किसानों को अपनी खेती की गतिविधियों को जारी रखने और बढ़ाने में मदद करती है। तकनिकी नवाचार : बैंक द्वारा तकनिकी नवाचार को प्रोत्साहित करता है, और किसानों को पर्यावरण के अनुकूल खेती करने के तरीकों का समर्थन प्रेरित करता है। जगरूकता अभिमान : बैंक द्वारा विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान उत्सव जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। धार जिला मध्यप्रदेश का एक कृषि प्रमुख जिला है, जहाँ अधिकांश जनसंख्या कृषि पर आश्रित है, ऐसे मे यह जानना आवश्यक है, कि बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ग्रामीण कृषकों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सुविधाएँ कितनी कारगर सिद्ध हो रही है, तथा उनका वास्तविक प्रभाव कृषकों के जीवन में आर्थिक विकास पर कितना रहा उसका अध्ययन किया गया है।

**निष्कर्ष**

धार जिले के ग्रामीण कृषकों के आर्थिक विकास में बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय सुविधाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन बताता है कि बैंक ऑफ इंडिया की ऋण, बचत और अन्य वित्तीय सेवाएँ, किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋण सुविधाएं, किसानों को बीज, उर्वरक, उपकरण और मशीनरी जैसी आवश्यक वस्तुएं खरीदने में मदद करती है, जिससे उनकी उपज और आय में वृद्धि होती है। संक्षेप में, बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय सेवाएं, धार जिले के ग्रामीण किसानों के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे उन्हें अपनी उपज बढ़ाने, आय आर्जित करने और बेहतर जीवन जीने में मदद करती है।

कृषकों की बैंकिंग पहुँच मे वृद्धिः बैंक ऑफ इंडिया की ग्रामीण शाखाओं द्वारा ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, बीमा योजनाएँ, व कृषि संबंधित वित्तीय सेवाओं की पहुँच धार जिले के अधिकांश कृषकों तक पहुँच चुकी है।

- **कृषि उत्पादन में सुधारः** ऋण सुविधा प्राप्त करने के बाद कृषकों ने बेहतर बीज, खाद, एवं तकनीकि संसाधनों का उपयोग कर कृषि उत्पादन में वृद्धि की है।
- **आय और जीवन स्तर में सुधारः** बैंकिंग सहायता से कृषकों की आय में वृद्धि हुई है, जिससे उनके जीवन स्तर, बच्चों कि शिक्षा और आवास सुविधाओं में सुधार हुआ है।
- **वित्तीय साक्षरता का अभावः** अनेक कृषक अभी भी बैंकिंग प्रक्रिया, ऋण की शर्तें, ब्याज दरें, एवं डिजिटल सेवा को लेकर भ्रमित है या जानकारी के अभाव में हैं।
- **समय पर ऋण वितरण की समस्याः** कुछ कृषकों ने शिकायत की कि ऋण वितरण जटिल और विलंबकारी होती है, जिससे खेती के कार्यों पर प्रभाव पड़ता है
- **बीमा व मुआवज़ा योजनाओं की सीमित पहुँचः** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी योजनाएँ लागू तो
- हैं, लेकिन इनके लाभ की जानकारी और दावें की प्रक्रिया कठिन मानी जाती है।

**संदर्भ ग्रन्थ सूची**


1. डॉ. एस. के. मिश्रा एवं डॉ. वी. के. पुरी – भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिकेशन, दिल्ली।
2. डॉ. अर्चना वर्मा – कृषि वित्त और ग्रामीण बैंकिंग, साउथ एशियन पब्लिशिंग, भोपाल।
3. डॉ. टी. आर जैन. – भारतीय बैंकिंग प्रणाली, कलेक्टर्स पब्लिकेशन, जयपुर
4. डॉ. एन. के. शुक्ला – ग्रामीण विकास एवं बैंकिंग, आर. बी. एस. ए. पब्लिकेशन जयपुर।
5. Dr. R. Sharma & Dr. M. Patel (2021). Impact of Rural Banking Services on Farmer"s Income- A Study in Madhya Pradesh, International Journal of Rural Development Studies.
6. Dr. A. Varma (2020). Financial Inclution through KCC – A Case Study of Small Farmers, Journal of Agriculture Finance.
7. Dr. S. Rao (2019). Effectiveness of Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana in Tribal Areas, Indian Journal of Public Policy.
8. www.rbi.org.in
9. www.nabard.org
10. www.bankofindia.co.in
11. www.mpfps.gov.in
12. www.pmfby.gov.in


♦❒♦